the pioneer
LUCKNOW SATURDAY | APRIL 28, 2012

Need stressed for mechai sugarcane harvesting in Ul

A national seminar on Sugarcane Harvesting jointly organised by the IISR and Sugar Technologists' Association was inaugurated by NC Bajpai, Dy Chairman, Planning Commission, UP Govt. Pioneer

PIONEER NEWS SERVICE ■ LUCKNOW

A national seminar on 'Mechanisation of Sugarcane Harvesting' jointly organised by the IISR (Indian Institute of Sugarcane Research) and Sugar Technologists' Association of India, New Delhi, was organised at the IISR on Friday.

It was inaugurated by NC Bajpai, Deputy Chairman, Planning Commission, UP Government. In his inaugural address he said that the state government was ready to extend financial help and support for developing a viable and feasible solution of mechanised sugarcane harvesting in UP.

He appealed to the IISR scientists and delegates from research and development institutions to come out with a sound plan to develop a cost-effective mechanical sugarcane harvester in the near future. He also said that any intervention in sugarcane should not disturb the ecological balance.

Dr GB Singh, former DG, UPCAR, and the former DDG, ICAR, was the guest of honour on the occasion. Dr Singh stressed the need for mechanising harvesting of sugarcane, as shortage of labour was not only hampering its timely harvesting but also other cane cultivation operations to a great extent due to which both the farmers and millers suffered losses running into crores of rupees every year. He said that scientists should intensify their efforts for developing a cost- effective and feasible mechanical sugarcane harvester for northern India. At the same time the style of cultivating crops should also be changed to suit the mechanised harvesting of sugarcane, Dr Singh said.

While delivering the welcome address, Dr S Solomon, Director, IISR, said that it had developed many sugarcane machines like the Sett cutting machine, the planter, the RMD, the RBS planter etc in the past which not only benefited the farmers but the sugar industry too.

He said that the IISR was committed to developing a mechanical harvester and informed the august gathering that it may come out with one soon.

He said that it had developed the prototype and its field verification was in progress. Dr G S C Rao, president, STAI, told the people about the theme of the seminar.

Dr Rao said that if the sugarcane cultivation continued the way it was going on at present the farmers may stop growing it in the state. So there was an urgent need for increasing the production of sugarcane in order to augment the income of farmers.

This could be achieved by technological advancements and developing a sugarcane harvester may be the most desirable step, he said.

योजना आयोग आसान करेगा गन्ना कटाई

लखनऊ, 27 अप्रैल (जासं) : गन्ने की खेती को लाभकारी बनाने के लिए जरूरी है कि किसानो को गन्ना उत्पादन तकनीकी, कटाई, ढुलाई से जुड़ी मदद उपलब्ध कराई जाए। राज्य योजना आयोग गन्ना किसानो को गन्ना कटाई यंत्रीकरण के लिए हर संभव मदद देगा।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित अखिल भारतीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए उक्त जानकारी राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष एनसी वाजपेयी ने दी। उन्होने वैज्ञानिको का आह्वान किया कि वे गन्ना कटाई आसान करने के लिए यंत्र तैयार करने संबंधी शोध करें। आयोग इसके लिए आर्थिक व नीतिगत सहयोग देगा। वाजपेयी ने कहा कि वैज्ञानिक सम्मिलित प्रयास कर शोध एवं विकास प्रारूप राज्य सरकार को सुझाए जिस पर अमल कर गन्ना किसानो को सस्ता व टिकाऊ गन्ना कटाई यंत्र उपलब्ध कराया जा सके। उन्होने इस बात पर भी जोर दिया कि गन्ने की खेती को लाभकारी बनाने के लिए आवश्यक है कि किसानो को उत्पादन तकनीकी, कटाई, ढुलाई तथा अन्य मदद भी समय-समय पर मिलती रहे। उपकार के महानिदेशक डॉ. जीबी सिंह ने कहा कि कृषि क्षेत्र में कामगारो की लगातार कमी को देखते हुए जरूरी है कि गन्ना कटाई यंत्र का जल्द से जल्द विकास किया जाए। कामगारो की कमी के चलते समय पर कटाई नही हो पाती जिससे हर वर्ष करोड़ो का नुकसान होता है।

कैनविज टाइम्स

7 शनिवार, 28 अप्रैल, 2012

प्रयास } गन्ना कटाई के यंत्रीकरण में राज्य योजना आयोग करेगा मदद

जल्द खोजा जाएगा गन्ना कटाई यंत्र

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। राज्य योजना आयोग उत्तर प्रदेश में गन्ना कटाई यंत्रीकरण में आर्थिक और नीतिगत मदद करने को तैयार है। सम्मिलित प्रयास कर एक ऐसा शोध एवं विकास प्रारूप राज्य सरकार को सुझाएं जिस पर अमल कर प्रदेश के किसानों को सस्ता एवं टिकाउ गन्ना कटाई यंत्र उपलब्ध कराया जा सके। भारतीय गन्ना अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों से यह बात शुक्रवार को राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष एनसी बाजपेई ने कही। वह भारतीय गन्ना अनुसंधान केंद्र लखनऊ और भारतीय चीनी प्राद्योगिकी संगठन, नई दिल्ली द्वारा 'गन्ना कटाई यंत्रीकरण' विषय पर अखिल भारतीय संगोष्ठी में बोल रहे थे।

संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए एनसी बाजपेई ने कहा कि गन्ना खेती लाभकारी

भारतीय गन्ना अनुसंधान केंद्र लखनऊ में 'गन्ना कटाई यंत्रीकरण' विषय पर अखिल भारतीय संगोष्ठी का आयोजन

बनाने के लिए यह आवश्यक है कि गन्ना किसानों को उत्पादन तकनीकी, गन्ना कटाई, ढुलाई तथा अन्य मदद समय-समय पर मिलता रहे। इस अवसर पर आईसीएआर के उपमहानिदेशक डॉ. जीबी सिंह ने कहा कि कृषि श्रमिकों की उपलब्धता में लगातार कमी को देखते हुए अविलम्ब गन्ना कटाई यंत्र का विकास होना चाहिए। डॉ. सिंह ने कहा कि श्रमिकों की कमी के कारण गन्ना कटाई समय पर नहीं हो पाता है। जिससे किसानों और चीनी मिलों को हर साल करोड़ों रुपए का नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने उत्तर भारत के सीमांत तथा छोटे गन्ना किसानों के लिए ऐसा कटाई यंत्र विकसित करने पर जोर दिया जो उनके परिवेश में बिल्कुल सटीक हो। साथ ही गन्ना खेती के यंत्रीकरण के साथ गन्ना उत्पादन तकनीकों को भी बदलने की आवश्यकता को बताया जिससे यंत्रों के प्रयोग में बाधा न आए।

संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने स्वागत भाषण में संस्थान द्वारा विकसित मशीनों जैसे गन्ना टुकड़ा कटाई यंत्र, बुवाई यंत्र, पेड़ी प्रबंधन यंत्र, उंची मेड़ों पर बीजाई तथा बुवाई यंत्र आदि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन मशीनों के विकास से गन्ना खेती में अमूल परिवर्तन हुआ और गन्ना किसानों व चीनी उद्योगों को काफी फायदा हुआ। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में हम गन्ना कटाई यंत्र का विकास कर लेंगे। भारतीय चीनी प्राद्योगिकी संघ के अध्यक्ष डॉ. जीएससी राव ने कहा कि अगर गन्ना खेती के वर्तमान परिदृश्य में परिवर्तन नहीं लाया गया तो जल्द ही किसान गन्ना बोना बंद कर देंगे। इसलिए यह आवश्यक है कि जल्द से गन्ना खेती लागत को कम कर किसानों की आय को बढ़ाया जाय। इसके लिए गन्ना कटाई यंत्र अहम रोल निभाएगा। संगोष्ठी में देशभर के 150 वैज्ञानिक, अभियंत्रक, यंत्र निर्माता, निति निर्माता, और चीनी उद्योग के वरिष्ठ अधिकारीयों ने भाग लिया। क्षेत्र के प्रगतिशील कुछ किसानों ने भी संगोष्ठी में भाग लेकर अपने विचार रखे। इस अवसर पर डॉ. पीआर सिंह, अनीता सावनानी, एके शुक्ला, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सहारा
अपना शहर
लखनऊ
लखनऊ | शनिवार • 28 अप्रैल • 2012 www.

सस्ता गन्ना कटाई यंत्र विकसित करें वैज्ञानिक

सरोजनीनगर- लखनऊ (एसएनबी)। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान व भारतीय चीनी प्रौद्योगिकी संगठन द्वारा गन्ना कटाई यंत्रीकरण विषय पर अखिल भारतीय सेमिनार का आयोजन शुक्रवार को संस्थान परिसर में किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष एनसी बाजपेई ने किया। इस मौके पर श्री बाजपेई प्रदेश में गन्ना कटाई का यंत्रीकरण करने में आर्थिक तथा नीतिगत मदद करने का वादा किया। इसके साथ ही श्री बाजपेई ने वैज्ञानिकों व अन्य प्रतिभागियों से कहा कि सम्मिलित प्रयास कर शोध एवं विकास प्रारूप राज्य सरकार को सुझाएं जिस पर अमल कर प्रदेश के किसानों को सस्ता एवं टिकाऊ गन्ना कटाई यंत्र उपलब्ध कराया जा सके।

इपकार के महानिदेशक डा. जीबी सिंह व आईसीएआर के उपमहानिदेशक ने सेमिनार में कहा कि कृषि श्रमिकों की उपलब्धता में लगातार कमी होती जा रही है। जिसके कारण गन्ना कटाई समय पर नहीं हो पाती है। इससे किसानों व चीनी मिलों को प्रत्येक वर्ष करोड़ों रुपयों का नुकसान उठाना पड़ता है।

उन्होंने उत्तर भारत के सीमांत तथा छोटे गन्ना किसानों के लिए ऐसा कटाई यंत्र विकसित करने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने गन्ना खेती के यंत्रीकरण के साथ गन्ना उत्पादन तकनीकों को भी बदलने की आवश्यकता को बताया जिससे यंत्रों के प्रयोग में बाधा न आए।

संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन ने स्वागत भाषण में संस्थान द्वारा विकसित मशीनों जैसे गन्ना टुकड़ा कटाई यंत्र, बुवाई यंत्र, पेड़ी प्रबंधन यंत्र, ऊंची मेड़ों पर बीजाई तथा बुवाई यंत्र आदि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन मशीनों के विकास से गन्ना खेती में आमूल परिवर्तन हुआ तथा गन्ना किसानों व चीनी उद्योगों को काफी फायदा हुआ।

भारतीय चीनी प्रौद्योगिकी संघ के अध्यक्ष डा. जीएससी राव ने कहा कि अगर गन्ना खेती के मौजूदा स्वरूप में परिवर्तन नहीं लाया गया तो जल्द ही किसान गन्ना बोना बंद कर देंगे। इसलिए यह आवश्यक है कि जल्द ही गन्ना खेती लागत को कम कर किसानों की आय बढ़ाया जाये। इसके लिए प्रौद्योगिकी विकास सबसे जरूरी है तथा गन्ना कटाई यंत्र का विकास अहम है।

संगोष्ठी में देशभर के विभिन्न शोध व विकास विभागों के 150 वैज्ञानिक, अभियंत्रक, यंत्र निर्माता, नीति निर्माता, चीनी उद्योग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

संगोष्ठी के समन्वयक डा. पीआर सिंह विभागाध्यक्ष, कृषि अभियंत्रण तथा उद्घाटन व तकनीकी सत्रों का संचालन अनीता सावनानी ने किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक एके साह ने आये हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रभात
राजधानी
लखनऊ, शनिवार 28 अप्रैल 2012

गन्ना कटाई के यंत्रीकरण को हर संभव सहयोग देगा राज्य योजना आयोगः एन सी वाजपेयी

संगोष्ठी का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि एनसी वाजपेयी साथ में डॉ.जीवी सिंह, डॉ. जीएससी राव, डॉ. सोलोमन तथा अनिल कुमार शुक्ला

अतिथियों का स्वागत करते डॉ. एस. सोलोमन (निदेशक आईआईएसआर)

लखनऊ, विमलेश।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ तथा भारतीय चीनी प्राद्योगिकी संगठन, नई दिल्ली द्वारा ''गन्ना कटाई यंत्रीकरण'' विषय पर अखिल भारतीय संगोष्ठी का आयोजन संस्थान के प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुआ। संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि एनसी वाजपेयी, उपाध्यक्ष राज्य योजना आयोग उत्तर प्रदेश ने किया। वाजपेई ने उद्घाटन भाषण में कहा कि राज्य योजना आयोग प्रदेश में गन्ना कटाई का यंत्रीकरण करने में आर्थिक तथा नितिगत मद करने को पूरी तरह तैयार है। संगोष्ठी में उपस्थित वैज्ञानिको तथा अन्य प्रतिभागियों से अपील करते हुए श्री वाजपेयी ने कहा कि आप सम्मिलित प्रयास कर एक ऐसा शोध एवं विकास प्रारूप राज्य सरकार को सुझाएं जिस पर अमल कर प्रदेश के किसानों को सस्ता एवं टिकाऊ गन्ना कटाई यंत्र उपलब्ध कराया जा सके।

डॉ जीवी सिंह, महानिदेशक, उपकार तथा उपमहानिदेशक, आईसीएआर ने विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि कृषि श्रमिकों की उपलब्धता में लगातार कमी को देखते हुए अविलंब गन्ना कटाई यंत्र का विकास होना चाहिए। इससे पूर्व बैंक ऑफ बड़ौदा के महाप्रबंधक एससी आहूजा ने आपसी समन्वय पर बल देते हुए कहा कि गन्ना उत्पादन एवं कटाई से संबंधित मशीनों के लिए बैंक हर संभव आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएगा ताकि हर छोटे-बड़े किसान मशीनीकरण का लाभ उठा सके। भारतीय चीनी प्राद्योगिकी संघ के

आईआईएसआर प्रेक्षागृह में ''गन्ना कटाई यंत्रीकरण'' विषय पर अखिल भारतीय संगोष्ठी सम्पन्न

अध्यक्ष डॉ जीएससी राव ने अपने उदबोधन में भरोसा जताया कि आईसीएआर के साथ मिलकर गन्ना किसानों एवं चीनी उत्पादकों के लिए अन्य कार्यक्रम भी बनाए जाएंगे जिसका सीधा लाभ गन्ना उत्पादक किसानों सहित चीनी उत्पादकों को भी मिलेगा।

संगोष्ठी के प्रारंभ में आईसीएआर के निदेशक डा. सुशील सोलोमन ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि मशीनों के विकास से गन्ना खेती में अमूल परिवर्तन हुआ है जिससे गन्ना किसान एवं चीनी उत्पादकों को काफी फायदा भी हुआ है। अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए डॉ सोलोमन ने विश्वास पूर्वक कहा कि निकट भविष्य में ही हम गन्ना कटाई यंत्र का विकास कर लेंगे जो बड़े एवं छोटे गन्ना उत्पादकों के लिए बराबर उपयोगी होगा।

संगोष्ठी के अंत में भारतीय चीनी प्राद्योगिकी संघ के सेक्रेटरी जनरल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों एवं वैज्ञानिकों के सहयोग से हम भविष्य में भी ऐसी संगोष्ठियां आयोजित करते रहेंगे।

इस संगोष्ठी में देशभर के विभिन्न शोध व विकास विभागों के 150 वैज्ञानिक, अभियंत्रक, यंत्र निर्माता, निति निर्माता, चीनी उद्योग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों ने भी संगोष्ठी में हिस्सा लिया। संगोष्ठी के आयोजन में समन्वयक डा. पी. आर. सिंह विभागाध्यक्ष, कृषि अभियंत्रण की भूमिका प्रशंसनीय रही। अनीता सावनानी ने संगोष्ठी का सफल संचालन किया।

लखनऊ •शनिवार •28 अप्रैल 2012 हिन्दुस्तान

राज्य योजना आयोग गन्ना कटाई यंत्र देने में करेगा आर्थिक मदद

लखनऊ। राज्य योजना आयोग गन्ना कटाई के यंत्रीकरण में आर्थिक और नीतिगत मदद करेगा। इससे प्रदेश के किसानों को सस्ते और टिकाऊ गन्ना कटाई यंत्र उपलब्ध हो सकेंगे।

यह बातें शुक्रवार को रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में कार्यशाला में राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष एनसी बाजपेई ने कहीं। इस दौरान उन्होंने मौजूद वैज्ञानिकों से शोध एवं विकास प्रारूप को तैयार करने को कहा है ताकि किसानों को फायदा मिल सके।

कार्यशाला में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ शुगरकेन रिसर्च के उप महानिदेशक डॉ.जीबी सिंह ने कहा कि कृषि श्रमिकों की उपलब्धता में लगातार कमी को देखते हुए कहा कि आधुनिक गन्ना कटाई संयत्र का निर्माण किया जाना चाहिए। संस्थान के निदेशक सुशील सोलोमन ने कहा कि संस्थान द्वारा गन्ना टुकड़ा कटाई यंत्र, बुआई यंत्र, पेड़ी प्रबंधन यंत्र मशीनों के विकसित करने से गन्ना खेती में चमत्कारी परिवर्तन हुए हैं। भारतीय चीनी प्राद्योगिकी संघ के अध्यक्ष डॉ. जीएसपी राव ने कहा यदि गन्ना खेती के वर्तमान परिदृश्य में परिवर्तन नहीं लाया गया तो किसान गन्ना की खेती करना बंद कर देगा। **कासं**

THE TIMES OF INDIA, LUCKNOW
SATURDAY, APRIL 28, 2012

Seminar on sugarcane harvesting: A national seminar on mechanisation of sugarcane harvesting was jointly organised by Indian Institute of Sugarcane Research, Lucknow and Sugar Technologists Association of India, New Delhi on Friday. The seminar was inaugurated by N C Bajpai, deputy chairman, planning commission, UP. Bajpai in his inaugural address remarked that the state government is ready to extend financial and policy decision support for developing viable and feasible solution of mechanised sugarcane harvesting in the UP. He appealed IISR scientists and delegates from R&D institutions to come out with a sound actionable plan to develop cost effective mechanical sugarcane harvester in near future.

HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW
SATURDAY, APRIL 28, 2012

SEMINAR ON 'MECHANISATION OF SUGARCANE HARVESTING'

LUCKNOW: A national seminar on 'Mechanisation of Sugarcane Harvesting' was jointly organised by Indian Institute of Sugarcane Research, Lucknow and Sugar Technologists Association of India, New Delhi at IISR on Friday. The seminar was inaugurated by state Planning Commission, deputy chairman NC Bajpai. Addressing participants at the seminar, Bajpai said, "The state government is ready to extend financial and policy support to ensure mechanised sugarcane harvesting in the state." He told IISR scientists and delegates to develop develop cost-effective sugarcane harvesting mechines.